

No. of Printed Pages : 8

**MRDE-101**

**P. G. DIPLOMA IN RURAL**

**DEVELOPMENT/**

**M. A. (RURAL DEVELOPMENT)**

**(PGDRD/MARD)**

**Term-End Examination**

**December, 2025**

**MRDE-101 : RURAL SOCIAL DEVELOPMENT**

*Time : 3 Hours*

*Maximum Marks : 100*

---

**Note :** *Attempt all the **five** questions. All questions carry equal marks. Answer to question nos. 1 and 2 should not exceed 800 words each.*

---

---

1. Describe various approaches of gender analysis, used in gender planning and women's empowerment. 20

*Or*

Discuss the provisions for women in major social sector policies and national policy on empowerment of women.

2. Trace the origin of bonded labour and its various forms. Discuss the strategies for prevention and rehabilitation of bonded labour. 20

*Or*

Explain the scope of various laws protecting children against abuse, exploitation and health hazards.

3. Answer any *two* of the following questions in about **400** words each :
- (a) Trace the development of educational services for women. 10
- (b) Why is gender an important issue in empowerment process ? Explain with example. 10

- (c) Discuss schemes of Khadi and Village Industries. 10
4. Answer any *four* of the following questions in about **200** words each :
- (a) Briefly explain the concept of nutrition in respect of health of rural women. 5
- (b) Describe the administrative structure of ICDS programme. 5
- (c) Briefly trace the history of caste system in India. 5
- (d) Discuss role of the state in the development of Scheduled Tribe. 5
- (e) Enumerate some provisions under Hindu Law for marriage. 5
- (f) Enlist the social legislations on disadvantaged ones based on physical, mental or economic conditions. 5
5. Write short notes on any *five* of the following in about **100** words each :
- (a) Status of rural women in India 4

(b) Major objectives of ICDS	4
(c) Nutritional needs of children	4
(d) Non-formal education	4
(e) Family Courts	4
(f) Medical negligence	4
(g) Consumer Protection Act, 1986	4
(h) Women in unorganized sector	4

**MRDE-101**

ग्राम विकास में स्नातकोत्तर डिप्लोमा/

एम. ए. (ग्राम विकास)

(पी. जी. डी. आर. डी./ एम. ए. आर. डी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2025

एम.आर.डी.ई.-101 : ग्रामीण सामाजिक विकास

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

---

नोट : सभी पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान

हैं। प्रश्न संख्या 1 और 2 के उत्तर (प्रत्येक) 800 शब्दों से

अधिक नहीं होने चाहिए।

---

---

1. लिंग नियोजन और महिला सशक्तिकरण में उपयोग किए जाने वाले लिंग विश्लेषण के विभिन्न दृष्टिकोणों का वर्णन कीजिए। 20

## अथवा

प्रमुख सामाजिक क्षेत्र की नीतियों और राष्ट्रीय नीति में महिला सशक्तिकरण पर महिलाओं के लिए प्रावधानों पर चर्चा कीजिए।

2. बंधुआ मजदूरी की उत्पत्ति और इसके विभिन्न स्वरूपों का पता लगाइए। बंधुआ मजदूरी की रोकथाम और पुनर्वास की कार्यनीति पर चर्चा कीजिए। 20

## अथवा

बच्चों को दुर्व्यवहार, शोषण और स्वास्थ्य सम्बन्धी खतरों से बचाने वाले विभिन्न कानूनों के दायरे को समझाइए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 400 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए :
- (क) महिलाओं के लिए शैक्षिक सेवाओं के विकास का पता लगाइए। 10
- (ख) सशक्तिकरण प्रक्रिया में लिंग एक महत्वपूर्ण मुद्दा क्यों है ? उदाहरण सहित समझाइए। 10
- (ग) खादी और ग्रामोद्योगों की योजनाओं पर चर्चा कीजिए। 10

4. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लगभग 200 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए :

(क) ग्रामीण महिलाओं के स्वास्थ्य के सम्बन्ध में पोषण की अवधारणा को संक्षेप में समझाइए। 5

(ख) आई.सी.डी.एस. कार्यक्रम की प्रशासनिक संरचना का वर्णन कीजिए। 5

(ग) भारत में जाति व्यवस्था के इतिहास का संक्षिप्त में पता लगाइए। 5

(घ) अनुसूचित जनजाति के विकास में राज्य की भूमिका की व्याख्या कीजिए। 5

(ङ) विवाह के लिए हिन्दू कानून के तहत कुछ प्रावधान गिनाइए। 5

(च) शारीरिक, मानसिक या आर्थिक स्थितियों के आधार पर वंचित लोगों पर सामाजिक विधानों को सूचीबद्ध कीजिए। 5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लगभग 100 शब्दों (प्रत्येक) में लिखिए :

(क) भारत में ग्रामीण महिलाओं की प्रस्थिति 4

(ख) आई.सी.डी.एस. के प्रमुख उद्देश्य	4
(ग) बच्चों की पोषण सम्बन्धी आवश्यकताएँ	4
(घ) अनौपचारिक शिक्षा	4
(ङ) पारिवारिक न्यायालय	4
(च) चिकित्सकीय लापरवाही	4
(छ) उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986	4
(ज) असंगठित क्षेत्र में महिलाएँ	4

× × × × ×